आज की मुरली का विचार-सागर-मंथन Date: 11-06-2014

आज बाबा ने इस सृष्टि चक्र का ड्रामा कैसे एक्युरेंट रिपिट होता हैं, कैसे शुरू में सतयुग में देवी-देवताओं की आत्मायें आती हैं. सतयुग में कैसे उनका पार्ट चलता हैं. फिर अन्य धर्म-स्थापको की आत्माये नम्बरवार अपने-अपने टाइम पर आती हैं. अन्त में बाप आकर हम बच्चों को ऐडप्ट करते हैं. ज्ञान और योग सिखाते हैं. सतयुग के लायक बनाते हैं.

बाबा जब आते हैं तब शुरू में आत्माओं को खींचने के लिए सबको साक्षात्कार कराते हैं. फिर अन्त में बाबा सब आत्माओं को वापस घर ले जाते हैं. बाबा ने कहा अन्त में भी, शुरू के जैसे ही, योगी आत्माओं को सतयुग के बहुत साक्षात्कार होंगे. सतयुग एकदम सामने दिखाई देगा.

बाबा ने आज फिर से हमें सृष्टि चक्र के ड्रामा का पाठ पक्का कराया. बाबा ने अभी तक जो भी ड्रामा के बारे में पोईन्ट्स बताये है, उसको रिवाईज करेंगे ओर उससे मुझे क्या शिक्षा मिली हैं वह हमारे जीवन में धारण करेंगे.

- ड्रामा एक्युरेंट हैं. --> ये पाईन्ट हमें बेफिक्र बनाता हैं.

- ड्रामा हर 5000 वर्ष रिपिट होता हैं. --> ये पाईन्ट हमें सिखाता हैं, अभी जो कर्म हम करेंगे, वही कर्म ड्रामा के अगले साइकिल में भी फिर करेंगे, तो अब हमें अपना हर कर्म श्रेष्ठ करना ही हैं. बाकी रहा हुआ टाइम में हमारा जो भी पार्ट चले, लेकिन ना किसको दुखी करना है, ना स्वयं को दुखी होना हैं.

- इस बेहद के ड्रामा में सब आत्माये नम्बरवार पार्ट बजाने आते हैं. ड्रामा में पार्टधारी आत्माओं के नम्बर में फर्क नहीं हो सकता. --> ये पाईन्ट हमें क्यू-क्या के प्रश्नों से उपराम कर देता हैं.

- ड्रामा टिक-टिक जुई मिसल चलता हैं. --> ये पाईन्ट हमें धैर्यता सिखाता हैं.

- ड्रामा हर सेकंड चेईन्ज होता हैं. --> ये पाईन्ट हमें साक्षी हो कर ड्रामा को देखना सिखाता हैं. अचानक के समय पर ये पाईन्ट हमें अचल-अडोल रहना सिखाता हैं.

- ड्रामा अंतिम चरण में है - ये पुरानी दुनिया विनाश होनी है, अब हम अपने बाबा के पास जाते है फिर सतयुग में आयेंगे. --> ये पाईन्ट हमारी बुद्धि को उपराम बना देता है, पुरानी दुनिया से नाता तोड़ नयी दुनिया से जोड देता है.

ॐ शांति.